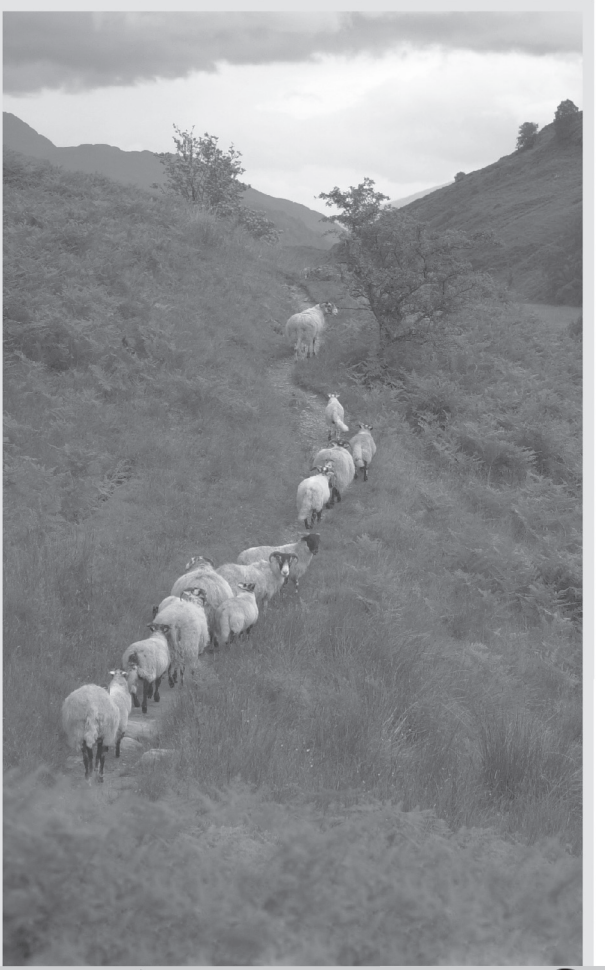

अपने पास्टर की सहायता कैसे करें

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए
ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करणः 2022

संपर्क जानकारी
All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: **bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

अन्यथा जबतक इंगित न किया हो धर्म शास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल के पुनःसंपादित पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित है।

आर्थिक साझेदारी
इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता की वजह से सम्भव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता के लिए आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाएं या अपना योगदान कैसे करें यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ देखें। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन
उपदेशः apcwo.org/sermons | **पुस्तकेंः** apcwo.org/books | **चर्च ऐपः** apcwo.org/app
बाइबिल कॉलेजः apcbiblecollege.org | **ई-लर्निंगः** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्शः chrysalislife.org | **संगीतः** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिपः pamfi.org | **ए.पी.सी. वर्ल्ड मिशंसः** apcworldmissions.org

(Hindi - How to Help Your Pastor)

अपने पास्टर की सहायता कैसे करें

विषयसूची

परिचय

1. पास्टर और कलीसिया के कर्मचारी के लक्ष्य 1

2. अपने पास्टर की सहायता कैसे करें 4

3. आपका पास्टर एक मनुष्य है 17

परिचय

एक मजबूत कलीसिया को बनाने, की इच्छा से इसमें मजबूत लोगों को खड़ा करने की इच्छा से मैं यह संदेश बाँट रहा हूँ–"अपने पास्टर की सहायता कैसे करें।" मैं विश्वास करता हूँ कि आप ऐसा करने में मेरे हृदय की प्रेरणा को समझेंगे। इस पुस्तक में प्रस्तुत सन्देश व्यक्तिगत रूप से किसी के विरुद्ध नहीं है। यदि मुझे किसी को व्यक्तिगत रुप से कुछ स्पष्ट करना होता तो मैं एक साथ बैठकर करता न कि इस पुस्तक के माध्यम से।

हममें से जो माता-पिता हैं वे जानते हैं कि जब हम बच्चों को पालते हैं तब कभी-कभी बहुत क्रोधित हो जाते हैं, यद्यपि हम प्रायः उन पर प्रेम की बौछार करते हैं। यह इसलिए नहीं कि हम अपने बच्चों से घृणा करते हैं बल्कि इसलिए कि हम उन्हें एक मजबूत व्यक्ति की तरह खड़ा करना चाहते हैं। इसी प्रकार जब हम कलीसिया में मजबूत लोग खड़े करना चाहते हैं, तब हमें उन्हें यह सिखाने की आवश्यकता होती है कि उन्हें परमेश्वर के भवन में कैसे व्यवहार करना चाहिए।

1 तीमुथियुस 3:15
कि यदि मेरे आने में देर हो, तो तू जान ले कि परमेश्वर के घराने में जो जीवते परमेश्वर की कलीसिया है और जो सत्य का खंभा और नींव है कैसा बर्ताव करना चाहिए।

पौलुस तीमुथियुस को लिखते हुए उसे बता रहा है कि एक व्यक्ति का स्थानीय कलीसिया में व्यवहार करने का एक ठीक तरीका होता है। दूसरे शब्दों में पौलुस कहते हैं कि परमेश्वर के भवन में व्यवहार करने का सही तरीका है और विश्वासियों को इसे सिखाने की आवश्यकता है। दुर्भाग्यवश, इस विषय में अधिक शिक्षा नहीं दी जाती है और प्रत्येक जन अपनी मन मर्जी से चलता रहता है। कलीसिया में लोग वही करते हैं जिसे वे ठीक समझते हैं और कलीसिया को विभिन्न दिशाओं में खींच कर ले जाते और कलीसिया कहीं नहीं पहुँच पाती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वही करता है जो उसे ठीक जान पड़ता है तो हमारा घर झंझट और गड़बड़ी से भरा होगा। परन्तु परमेश्वर गड़बड़ी का परमेश्वर नहीं है।

1 कुरिन्थियों 1:10

हे भाइयो, मैं तुम से हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से विनती करता हूँ कि तुम सब एक ही बात कहो, और तुम में फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो।

इस वचन में एक निवेदन अथवा एक सुझाव नहीं है परन्तु एक प्रार्थना और विनती है जो स्वयं परमेश्वर के अधिकार से आती है। परमेश्वर की आज्ञा स्थानीय कलीसिया के लिए प्रेरित पौलुस के द्वारा यहाँ हैः

- तुम सब ही बात बोलो। (यह बात असम्भव लग सकती है।)
- तुम्हारे बीच में बँटवारा (अलगाव अथवा दूरी) नहीं होना चाहिए।
- तुम सब पूर्णरुप से एकता में जुड़े रहो (पूर्णरुप से एकता में)।
- तुम सब एक मन और एक समझ रखो।
- तुम सब का एक ही निर्णय, उद्देश्य और विचार हो।

जब हम कुरिन्थियों की कलीसिया पर विचार करते हैं तो पाते हैं कि वह एक "अजीब" कलीसिया थी जो हमारी आप की कलीसिया के समान थी। उसमें बहुत सी बातें गलत थीं। उसमें कुछ लोग कहते थे हम अपुल्लोस के है और कुछ कहते थे कि हम पौलुस के हैं। विवाह, मूर्तियों को बलिदान किए गए भोजन, अन्य भाषा में बोलने, आत्मा के वरदानों के विषय में लोगों के विभिन्न विचार थे। सबसे बड़ा अपराध यह था कि वे कलीसिया में प्रभु भोज के समय अपना नाश्ता करते थे और थोड़े से टुकड़े में सन्तुष्ट न होकर पूरी रोटी और सारा दाखमधु पी लेते थे। पौलुस को उन्हें उनके व्यवहार के विषय में डाँटना और निर्देश देना पड़ा कि वे कैसे ठीक व्यवहार करें (1 कुरिन्थियों 11:17-33)। पौलुस इस कारण विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को निर्देश देते हुए लिखता है कि वे एक ही बात बोलें, उनके बीच में बँटवारा न हो, आपस मे पूर्णरुप से जुड़े रहें, और एक सा मन, समझ, विचार और निर्णय रखो।

मैं विश्वास करता हूँ कि यदि परमेश्वर हमें कुछ करने की आज्ञा देता है तो वह सम्भव है क्योंकि परमेश्वर हमें कुछ ऐसा करने की आज्ञा नहीं देगा जिसे हम न कर सकें। यदि वह ऐसा करता तो इसका अर्थ होता कि वह चिड़ाता है। **पौलुस जिस प्रकार की कलीसिया के विषय में बात करता है, तथा जिसे प्रत्येक पास्टर चाहता है, वह कलीसिया बनना हमारे लिए सम्भव है।**

आपको आशीष मिले!
आशीष रायचूर

1
पास्टर और कलीसिया के कर्मचारी के लक्ष्य

उससे पहले कि हम इस बात पर चर्चा करें कि आप कैसे अपने पास्टर की सहायता कर सकते हैं, आइए पहले उन लक्ष्यों को समझें जो पास्टर और कलीसिया के कर्मचारी के सामने है।

यिर्मयाह 3:15
मैं तुम्हें अपने मन के अनुकूल चरवाहे दूँगा, जो ज्ञान और बुद्धि से तुम्हें चराएँगे।

परमेश्वर के हृदय के अनुसार पास्टर होने के नाते पास्टर को परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर के लिखित वचन से आत्मिक ज्ञान और समझ से भरना चाहिए, किसी और स्त्रोत से नहीं। पास्टर को उस समझ को देना चाहिए जो परमेश्वर के पवित्रात्मा से आती है।

इफिसियों 4:11-13
[11] उसने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके, और कुछ को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके और कुछ को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके और कुछ को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया,
[12] जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और सेवा का काम किया जाए और मसीह की देह उन्नति पाए,
[13] जब तक कि हम सब के सब विश्वास और परमेश्वर के पुत्र की पहिचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे डील–डौल तक न बढ़ जाएँ।

यह भाग पास्टर और जो लोग वचन की सेवा में हैं उनके काम की चर्चा करता है। सेवा का काम–पास्टर का नहीं है आपको करना है। आप सेवक है। कलीसिया मे जो आपके साथ बैठा है वह आपके साथ सेवा का काम करेगा, पास्टर नहीं, न ही शिक्षक, न ही प्रचारक, न ही भविष्यद्वक्ता और न ही प्रेरित–क्योंकि इन पाँच सेवाओं की भूमिका यह है कि सन्तों को

तैयार करें ताकि वे सेवा का काम कर सकें। वास्तव में पास्टर का काम बहुत सरल है–वह आपको तैयार करे। आप ही है जो इस काम को करेंगे। आप मात्र कलीसिया के सदस्य ही नहीं हैं बल्कि एक सेवक भी है। आपकी "मानसिकता कलीसिया के सदस्य" की नहीं होनी चाहिए। आप सर्वशक्तिमान परमेश्वर के सेवक है और आप यहाँ पर इसलिए हैं कि आप को सेवा के काम के लिए तैया किया जाए, मसीह की देह के निर्माण हेतु *"जब तक हम सब विश्वास की एकता तक नहीं पहुँच जाते ... मसीह की परिपूर्णता तक"* (इफिसियों 4:13)। अतः पास्टर और कलीसिया के कर्मचारी के रूप में हमारी जिम्मेदारी यह है कि सन्तों को मसीह की परिपूर्णता तक पहुँचने के लिए तैयार करें ताकि सन्त सेवा का काम कर सकें। परमेश्वर चाहता है कि प्रत्येक विश्वासी उसके राज्य में सेवक बनें।

कुलुस्सियों 1:28
जिसका प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को चेतावनी देते हैं और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हर एक व्यक्ति को मसीह में सिद्ध (यूनानी *टेलेइयोस*) **करके उपस्थित करें।**

पास्टर का प्रचार और शिक्षा देने का कारण यह नहीं कि वे मनोरंजन करें परन्तु यह कि विश्वासियों को मसीह के समक्ष सिद्ध *'टेलेइयोस'* करके प्रस्तुत करें। वचन में यूनानी शब्द *'टेलेइयोस'* प्रयोग किया गया है जिसका अर्थ है–सम्पूर्ण–स्वस्थ मनुष्य। हमारा लक्ष्य है कि हम प्रत्येक विश्वासी को परिपक्वता तक ला सकें–मसीह में पूर्ण स्वस्थ। हम मसीह में बालकों का स्वागत करते हैं, परन्तु यह नहीं चाहते कि वे वैसे ही बने रहें। पास्टर की जिम्मेदारी यह है कि वे प्रत्येक व्यक्ति को मसीह में परिपक्व बना सकें। यदि हम ऐसा करने में असफल होते है तो हम कलीसिया में पास्टर और अगुवे के रूप में अपनी बुलाहट में असफल होते हैं।

प्रत्येक विश्वासी के जीवन में ये बातें पूरी होनी चाहिए

चार बातें हैं जिन्हें पास्टर को चाहिए कि वे प्रत्येक विश्वासी के जीवन में पूरी होते हुए देखें। उन्हें निम्न क्षेत्रों में उन्नति और विकास देखने की इच्छा रखनी चाहिएः

- **वचन में:** पास्टरों को देखना चाहिए कि कलीसिया में प्रत्येक सदस्य वचन में दृढ़ बनें।
- **आत्मा में:** पास्टरों को देखना चाहिए कि कलीसिया में प्रत्येक सदस्य आत्मा में दृढ़ बनें।
- **मसीह के समान चरित्र में:** पास्टरों को देखना चाहिए कि कलीसिया में प्रत्येक व्यक्ति मसीह की समानता में अपने चरित्र में विकास करे।
- **सेवा में:** पास्टरों को देखना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति सेवा के काम के लिए तैयार किया जाए।

गलातियों 1:10

अब मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूँ या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ? यदि मैं अब तक मनुष्यों को ही प्रसन्न करता रहता, तो मसीह का दास न होता।

हम उस स्तर को समझें जिस स्तर तक हमें पास्टर और सेवक के रुप में बुलाया गया है। गलातियों 1:10 के अनुसार, यदि हम मनुष्यों को प्रसन्न करेंगे तो हम परमेश्वर के सेवक नहीं बन सकते। पास्टर होने के नाते हम यहाँ लोगों को खुश करने के लिए नहीं है। अतः आप कलीसिया में इसलिए आए हैं कि आपको प्रसन्न किया जाए तो आप गलत स्थान पर आ गए हैं, क्योंकि यदि हम केवल मनुष्यों को प्रसन्न करेंगे तब हम परमेश्वर के सेवक नहीं बन सकते। हमारा लक्ष्य आपको बनाने का है, न कि केवल आप को प्रसन्न करने का। परन्तु इस प्रक्रिया के दौरान आप प्रसन्न हो सकते हैं जो केवल एक बाहरी उत्पादन है। आप पास्टर और कलीसिया को प्रेम करना आरम्भ कर सकते हैं परन्तु ये लक्ष्य नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि आपको मसीह में सम्पूर्ण बना कर प्रस्तुत करें। जिस दिन हम मनुष्यों को प्रसन्न करने वाले बन गए, उस दिन हम परमेश्वर के सेवक नहीं रहेंगे।

2
अपने पास्टर की सहायता कैसे करें

निम्नलिखित निर्देश न केवल पास्टर के लिए लागू होते हैं परन्तु समस्त कर्मचारीयों के लिए भी जो आपकी सेवा करते हैं।

अपने पास्टर की गवाही को सुरक्षित रखने में सहायता करना

1 तीमुथियुस 3:2

यह आवश्यक है कि अध्यक्ष निर्दोष, और एक ही पत्नी का पति, संयमी, सुशील, सभ्य, अतिथि–सत्कार करनेवाला, और सिखाने में निपुण हो।

तीतुस 1:6,7

[6] जो निर्दोष और एक ही पत्नी के पति हों, जिन के बच्चे विश्वासी हों, और उनमें लुचपन और निरंकुशता का दोष न हो।

[7] क्योंकि अध्यक्ष को परमेश्वर का भण्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिए न हठी, न क्रोधी, न पियक्कड़, न मारपीट करनेवाला, और न नीच कमाई का लोभी हो।

1 तीमुथियुस 3:2 के अनुसार एक आत्मिक अगुवे को "दोष रहित" होना चाहिए। और यह वचन परमेश्वर के सेवक अथवा सेविका की अन्य भागों को भी बताता चलता है। सबसे पहली माँग परमेश्वर आत्मिक अगुवे से चाहता है कि वह निर्दोष हो, जिसका अर्थ है कि कोई भी उसकी ओर उँगली न उठा सके और कोई दोष न लगा सके। अगुवे की साक्षी पूर्णरुप से सिद्ध होनी चाहिए।

2 कुरिन्थियों 6:3,4

[3] हम किसी बात में ठोकर खाने का कोई भी अवसर नहीं देते ताकि हमारी सेवा पर कोई दोष न आए।

[4] परन्तु हर बात से परमेश्वर के सेवकों के समान अपने सद्‌गुणों को प्रगट करते हैं, बड़े धैर्य से, क्लेशों से, दरिद्रता से, संकटों से।

"दोष लगाने का कोई अवसर न देना" स्तर है जिस तक परमेश्वर ने पास्टर और चर्च के कर्मचारी को बुलाया है। हमें दोष रहित जीवन जीना चाहिए—हमें सेवा इस प्रकार करनी चाहिए ताकि हम दोष लगाने का कोई अवसर न दें—ताकि हमारी सेवा पर कोई देष न लगे। हमें यह करने के लिए आपकी सहायता की आवश्यकता है।

नीतिवचन 22:1
बड़े धन से अच्छा नाम अधिक चाहने योग्य है, और सोने चाँदी से दूसरों की प्रसन्नता उत्तम है।

आइए कुछ बातों पर ध्यान करें जहाँ आप पास्टर की साक्षी को सुरक्षित रखने में सहायता कर सकते हैं।

- यदि आप एक महिला हैं, तो कृपया अपने पास्टर से उसके कार्यालय में मिलें जब अन्य लोग भी उपस्थित हों। जोखिम भरे स्थानों और समयों पर अपने पास्टर से मिलने के लिए न कहें। आपकी बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता हो सकती है, परन्तु अपने पास्टर को असुविधा में डालकर अजीब स्थानों पर न मिलें। ध्यान दीजिए कि एक देखनेवाला क्या सोचेगा—एक पास्टर सार्वजनिक स्थान में कॉफी पीते हुए एक महिला को परामर्श दे रहा है। परन्तु वे लोग जो पास्टर को जानते हैं, कि यह एक चर्च का पास्टर है, विवाहित है और बच्चे हैं, वह यहाँ अकेला दूसरी महिला के साथ क्या कर रहा है। कल्पना कीजिए कि यह परामर्श का स्तर थोड़ा लम्बा चलता है। तब पास्टर की साक्षी अधिक जोखिम में पड़ जाती है। आपकी आवश्यकता चाहे कितनी भी महत्वपूर्ण क्यों न हो, यह उचित होगा कि आप अपने पास्टर से उसके कार्यालय में मिलें, अन्थया आप परमेश्वर के जन की साक्षी नष्ट कर रहे हैं।
- यदि आप महिला हैं तो यह बेहतर होगा कि आप चर्च में महिला पास्टर/अगुवे से सहायता प्राप्त करें।
- पास्टर अथवा चर्च के विषय में कुछ भी ऐसा न कहें जिसके विषय में आप सौ प्रतिशत निश्चित नहीं है। यदि आप पूर्ण रुप से निश्चित

नहीं है तो आप ऐसा न कहें। उदाहरण के लिए यदि आपका पास्ट र अमरीका में रहा है और अब भारत आया है, तो यह न सोचे कि सेवा को चलाने के लिए वहाँ से डालर आ रहें हैं। कोई भी दावा करने से पहले पूर्णरूप से निश्चित हों। हमारी कलीसिया के विषय में 99, प्रतिशत धन जो प्रयोग किया जाता है वह भारत में से ही आता है–दसमांश, भेंटे और कलीसिया के अनुदानों के द्वारा। संसार के किसी भी अन्य भाग से कोई भी कलीसिया हमारी सहायता नहीं करती है।

- कृपया अपने पास्टर और चर्च के द्वारा किए गए कामों को बढ़ाचढ़ा कर न बताएं। उदाहरण के लिए यदि आपकी कलीसिया चिल्ड्रन्स होम चला रही है जिसमें आठ बच्चे हैं, तो इसे बढ़ाचढ़ा कर ऐसे न कहें, "कलीसिया एक विशाल अनाथालय चला रही है जिसमें बहुत सारे बच्चे हैं।"

अपने पास्टर के समय को बचाने में सहायता करें

इफिसियों 5:15,16

15 इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो: निर्बुद्धियों के समान नहीं पर बुद्धिमानों के समान चलो।

16 अवसर को बहुमूल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं।

इफिसियों 5:16 हमें बताता है, *"अवसर को बहुमूल्य समझों"*–प्रत्येक मिनट जो हमारे पास उपलब्ध है उसे पकड़ लें और उसका सही प्रयोग करें। समय हम सबके लिए महत्वपूर्ण है। हमारी कलीसिया में हमारे कर्मचारी को सप्ताह में 40 घण्टे काम करना आवश्यक है। आप पास्टर और कलीसिया के कर्मचारी का समय बचाने में सहायता कर सकते हैं।

- कृपया पास्टर से उसके काम के घण्टों के दौरान मिलें। यदि पास्टर सुबह 8:30 से शाम 6:30 तक अपने कार्यालय में है, तो आप उससे यह निवेदन न करें कि वह शाम 7:30 तक अपने कार्यालय में रुका रहे ताकि आप अपना काम समाप्त करके सुविधानुसार उससे मिलें सकें। कभी-कभी पास्टर देर तक कर लोगों से मिलते हैं, परन्तु

कृपया समझिये कि उनके पास भी परिवार हैं जिनके पास उन्हें जाना है। स्मरण करें कि जब आपको डाक्टर से मिलना होता है, तो आप उसके द्वारा दिये गए समय पर मिलते हैं और उस दिन की छुट्टी भी ले लेते हैं। अपने पास्टर के साथ भी इसी प्रकार का व्यवहार करें। यदि आपकी आत्मिक आवश्यकता है और यह बहुत गम्भीर है तब आप अपने पास्टर से मिल सकते हैं बल्कि आप उस दिन काम से छुट्टी लेकर आवश्यक समायोजन कर सकते हैं ताकि आप पास्टर से अनावश्यक प्रतीक्षा न करवाएं।

- यदि आपके पास कोई विचार है तो उसे पास्टर को मानने के लिए विवश न करें। आपका पास्टर विचारों और सुझावों के लिए खुला हो सकता है, परन्तु यदि आपके पास सेवा के लिए कोई विचार है, तो आप अपने पास्टर से यह अपेक्षा न करें कि वह आपके विचारों का पालन करे। प्रायः लोग पास्टर के पास विचारों को लेकर आते हैं और चाहते है कि परमेश्वर पास्टर की अगुवाई करे कि वह उस विशेष सेवा को आरम्भ करे। यदि आपके हृदय में एक तीव्र इच्छा है और आप निश्चित है कि परमेश्वर चाहता है कि आप कुछ आरम्भ करें, तब आप स्वयं उसे आरम्भ करने के लिए कदम उठाएं, लेकिन पास्ट र की अनुमति के साथ।

- कृपया अपने पास्टर को पुस्तकों को पढ़ने के लिए न कहें। आप जानते हैं कि उसके घर में पुस्तकें हो सकती हैं जिन्हें उसने समय के आभाव के कारण नहीं पढ़ी है।

- कृपया अपने पास्टर को वे काम करने के लिए न कहें जो व्यवसायिक लोग करते हैं, उदाहरण के लिए विवाह हेतु उपयुक्त साथी ढूँढ़ना, घर आदि का क्रय–विक्रय। यदि आप स्थान बदल रहे हैं तो आप स्थानीय पास्टर को न लिखें कि वह आपके घर या कमरा ढूँढ़ने में सहायता करे। यद्यपि पास्टर आपकी सेवा के लिए है, परन्तु उनसे अपने लिए घर ढूँढ़ने के लिए कहना उनके लिए अच्छा नहीं है। अपने लिए उचित जीवन साथी ढूँढ़ने के लिए पास्टर पर दबाव न डालें। यदि कोई है और पास्टर सोचता है कि वह योग्य है, वह उस व्यक्ति

को सुझाव दे सकता है। परन्तु इस प्रकार का दबाव पास्टर पर न डालें।

अपने पास्टर के परिवार की सुरक्षा करने में सहायता करें

मत्ती 26:31 (जकर्याह 13:7 से उद्धत)

तब यीशु ने उनसे कहा, "तुम सब आज ही रात को मेरे विषय में ठोकर खाओगे, क्योंकि लिखा है: "मैं चरवाहे को मारूँगा, और झुण्ड की भेड़ें तितर-बितर हो जाएँगी।

- यदि शत्रु चरवाहे को मार सकता है तो वह भेड़ों को तितर-बितर कर सकता है। बहुत से लोग समझते हैं कि सेवा बहुत "सरल" होती है—शायद इसलिए कि पास्टर को प्रति रविवार 50 मिनट का प्रचार करना होता है और कलीसिया उसकी सुनती है। वह बहुत सी पुस्तकें लिखवाता है, वह अपने सन्देशों के बहुत से टेप और सी.डी. बेचता है। परन्तु इस बात को समझना है कि परमेश्वर के सेवक जो आपकी सेवा सामने की पंक्ति में करते हैं वे शैतान के गहन आक्रमण के लक्ष्य होते हैं। शैतान का इरादा होता है कि वह चरवाहे को मारे और इस प्रकार भेड़ों को नाश करे। पास्टर और परमेश्वर के सेवक औसत विश्वासियों की अपेक्षा अधिक गहन कठिनाईयों से होकर गुजरते हैं। अतः एक सबसे बड़ा इनाम आप अपने पास्टर या परमेश्वर के सेवक जो आपकी सेवा करता है को दे सकते हैं, वह है कि आप उनके लिए और उनके परिवारों के लिए लगातार प्रार्थना करें—उन्हें आपकी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है। उनके चारों ओर सुरक्षा बन कर खड़े हों। अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा उनको सुरक्षा का कवच प्रदान करें। शैतान को बताएं, यदि तू मेरे पास्टर पर यह तीर चलाना चाहता है तो तुझे पहले मुझसे होकर गुजरना पड़ेगा। मैं यहाँ खड़ा हूँ। यदि ऐसी पूरी कलीसिया हो जो पास्टर के लिए और सेवकों के लिए और उनके परिवारों के लिए जो आपकी सेवा कर रहे हैं, प्रार्थना कर रहे हो तो एक मजबूत कलीसिया होगी क्योंकि उसके अगुवों को पूर्ण सुरक्षा प्राप्त है और शैतान चरवाहे को मारने के लिए कुछ नहीं कर सकता है।

चुने गए अगुवों के साथ काम करें और उनका सम्मान करें।

- आपका पास्टर सब कुछ नहीं कर सकता है। इसलिए सेवा की विभिन्न जिम्मेदारियाँ अन्य अगुवों को सौंपी गई हैं। सबसे अच्छा काम जो आप कर सकते हैं वह यह है कि आप उन अगुवों का आदर, सहयोग करते हुए काम कर सकते हैं। आप पास्टर की सहायता करेंगे यदि आप सौंपी गई जिम्मेदारी का आदर करेंगे जो कलीसिया में रखी गई है। उदाहरण के लिए सदस्य की चिन्ता करनेवाला पास्टर, बच्चों की कलीसिया का पास्टर, समूह का पास्टर, युवकों हेतु पास्टर, आराधना के दल का अगुवा आदि। यदि आपकी कोई शिकायत है जिसे दूर करना आवश्यक है, तो उस विभाग के जिम्मेदार अगुवे को नजर अन्दाज न करें और सीधे पास्टर के पास न आएं। उन अगुवों का सम्मान करें जो विभिन्न सेवाओं के लिए नियुक्त किए गए हैं। उन्हीं के साथ उन बातों को उठाएं और उन्हें अनुमति दें कि वे उन्हें संभाले। यह न सोचें कि विशेष सेवा के अगुवे के पास अनुभव नहीं है। जब आप उन्हें समस्या के समाधन हेतु अवसर नहीं देंगे तो आप उनसे उनका अनुभव छीन रहे हैं। स्मरण रखें कि पास्टर का उन पर पूर्ण भरोसा है और आपकी सुनने से पहले वह उनकी सुनेगा।

1 तीमुथियुस 5:17-19

[17] जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं, विशेष करके वे जो वचन सुनाने और सिखाने में परिश्रम करते हैं, दो गुने आदर के योग्य समझें जाएँ।

[18] क्योंकि पवित्र शास्त्र कहता है, "दाँवने वाले बैल का मुँह न बाँध्ना," क्योंकि "मजदूर अपनी मजदूरी का हक्कदार है।"

[19] कोई दोष किसी प्राचीन पर लगाया जाए तो बिना दो या तीन गवाहों के उसको न सुन।

कलीसिया की बुलाहट और दर्शन के साथ चलें

आमोस 3:3

यदि दो मनुष्य परस्पर सहमत न हों, तो क्या वे एक संग चल सकेंगे?

मरकुस 3:25

और यदि किसी घर में फूट पड़े, तो वह राज्य कैसे स्थिर रह सकता है?

- प्रत्येक व्यक्ति जो स्थानीय कलीसिया का भाग है उसे कलीसिया के दर्शन और बुलाहट जिसे परमेश्वर ने उस कलीसिया पर रखा है, के साथ चलना चाहिए। प्रत्येक स्थानीय कलीसिया की विशेष बुलाहट होगी और प्रत्येक सदस्य को उस बुलाहट के साथ चलना सीखना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि एक स्थानीय कलीसिया की बुलाहट सैल चर्च बनाने की है तो उसके सदस्य यह नहीं कह सकते कि हम सेलग्रुप को पसन्द नहीं करते और किसी भी सैल ग्रुप के सदस्य नहीं बनेंगे। यह कार्य कलीसिया मिलकर कर रही है और इसमें प्रत्येक को शामिल होना चाहिए।

- जैसे-जैसे परमेश्वर कलीसिया के लिए योजनाएं प्रकट करता जाएगा वैसे-वैसे वह उन नई बातों को जो वह इस कलीसिया से चाहता है, जन्म देता जाएगा। अतः पास्टर और सेवा के अगुवों की सहायता करें। बदलावों और नई वस्तुओं का विरोध न करें जिनमें परमेश्वर उस कलीसिया को लेकर जा रहा है। एक ही दिशा में मिलकर चलते जाएं और अगुवों की सहायता करें।

- जब आप किसी कलीसिया में जाते हैं तो आपके मन में उस विशेष कलीसिया के विषय में पूर्व अनुमान होता है। अतः वह विचार आपको कलीसिया के दर्शन के साथ चलने में रुकावट हो सकता है। अतः आप को व्यक्तिगत लक्ष्यों को एक तरफ रखकर कलीसिया के साथ चलना चाहिए।

- कलीसिया के साथ "मोलभाव" न करें। ऐसे व्यक्ति न बनें जो तब तक कलीसिया में जाता है जब तक उसे वहाँ उसे कुछ मिलता रहे और उसे प्रसन्न रखा जाए। जिस दिन कलीसिया उसे प्रसन्न न करे वह उसी दिन कलीसिया छोड़ कर कहीं और चला जाता है। केवल इसकी खोज में न रहें कि आपको क्या मिल सकता है। यदि अधिक नहीं दे सकते तो उतना तो दें जितना आप प्राप्त करते हैं। यीशु ने कहा देना लेने से अधिक धन्य है (प्रेरितों के काम 20:35)। आपको निश्चय ही कलीसिया से बहुत वस्तुएं प्राप्त होंगी—ज्ञान और समझ, आप परिपक्व होंगे और एक ऐसे स्थान पर पहुँचेगें जहाँ आप मसीह में पूर्ण रूप से बढ़ेंगे।

कलीसिया के विश्वास और शिक्षा के साथ चलना

1 कुरिन्थियों 1:10

हे भाइयो, मैं तुम से हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम से विनती करता हूँ कि तुम सब एक ही बात कहो, और तुम में फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहो।

- सामान्यतः एक कलीसिया के आरम्भ होने से पहले उसका विश्वास और शिक्षा को उसके "विश्वास पत्र" में लिखा जाता है।
- कलीसिया का विश्वास पत्र "मोलभाव" करने योग्य नहीं होता और न ही चर्चा के लिए खुला होता है।
- कृपया आप किसी कलीसिया के भाग बनने से पहले उसके विश्वास पत्र और शिक्षा को पढ़ें।
- जब आप उस कलीसिया के भाग बन जाते हैं, तब उस के विश्वास पत्र को बदलने का प्रयास न करें। यदि आप उस कलीसिया के विश्वास और शिक्षा से सहमत नहीं हैं, आप इनमें से एक काम करने के लिए स्वतन्त्र हैं—कलीसिया के साथ सीखें और बढ़ें अथवा दूसरी कलीसिया ढूँढ़ें। यह कोई विवशता नहीं है कि आप इसी कलीसिया में बनें रहें।
- कृपया व्यक्तिगत बातें व्यक्तिगत ही रखें जो कलीसिया के विश्वास और शिक्षा से मेल नहीं खाती। उदाहरण के लिए, यदि कलीसिया बाइबल के सिद्धांत के अनुसार पवित्रात्मा के बपतिस्मा, अन्य भाषा में प्रार्थना करने, ईश्वरीय चंगाई आदि में सहमत है तो कलीसिया से आशा की जाती है कि वह भी इसमें सहमत हो। कृपया कलीसिया का प्रयोग अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्रसारित करने में न करें जो कलीसिया के विश्वास और शिक्षा से मेल नहीं खाते। कृपया पास्टर व अन्य सेवा के अगुवों को आपके विचारों को मानने के लिए विवश न करें कि वे पत्र, ईमेल अथवा पुस्तकें भेजें जो विश्वास पत्र के विरोध में हैं।

एक सेवक बनें

इफिसियों 4:11-13

[11] उसने कुछ को प्रेरित नियुक्त करके, और कुछ को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके, और कुछ को सुसमाचार सुनानेवाले नियुक्त करके, और कुछ को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया,

[12] जिस से पवित्र लोग सिद्ध हो जाएं और सेवा का काम किया जाए और मसीह की देह उन्नति पाए,

[13] जब तक कि हम सब के सब विश्वास और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएँ, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के पूरे डील-डौल तक न बढ़ जाएँ।

- इफिसियों 4:11-13 कहता है कि पाँच सूत्रीय सेवा प्रत्येक सन्त को सेवा के लिए तैयार करने के लिए दी गई है। पास्टर की इच्छा रहती है कि प्रत्येक विश्वासी परमेश्वर का सेवक बने। वहाँ तक आपको पहुँचने में कुछ समय लग सकता है, परन्तु पास्टर और अगुवे होने के नाते हम चाहते हैं कि आप वहाँ पहुँचें। हम चाहते हैं कि आप ऐसे स्थान पर आएं जहाँ आप परमेश्वर की सेवा किसी भी क्षमता में करना आरम्भ करें। आप में से प्रत्येक को वरदान, गुण और योग्ताएं दी गईं है। परमेश्वर ने आपके अन्दर धन रखा है। उसने आपके अन्दर बहुत सी वस्तुओं का निवेश किया है जिन्हें वह चाहता है कि अपने राज्य के लिए प्रयोग करे। पास्टर उस गुण को आपमें उभरता हुआ देखना चाहता है। परमेश्वर की सेवा करें और उसके सेवक बनें। आपके लिए कुछ समय तक आसन पर बैठना ठीक है, परन्तु जब आसन गरम हो जाए तब इससे उछल कर खड़ें जो जाएं!

- मसीह की देह में आपके लिए परमेश्वर ने एक विशेष स्थान रखा है। अपना स्थान ग्रहण करें और परमेश्वर प्रदत्त सेवा देह में करना आरम्भ करें। आप केवल कलीसिया के सदस्य ही नहीं है, बल्कि आप परमेश्वर के सेवक हैं। मसीह की देह में काम करना आरम्भ करें।

1 कुरिन्थियों 12:18

परन्तु सचमुच परमेश्वर ने अंगों को अपनी इच्छा के अनुसार एक एक करके देह में रखा है।

जब आप सेवा करना आरम्भ करते हैं तब कुछ मार्गदर्शन है जिसका आप अनुसरण कर सकते है।

- सबसे पहले, वरदानों से ऊपर चरित्र के महत्व को समझना चाहिए। पास्टर वरदान का उपयोग करने से पहले यह चाहेगा कि आपका चरित्र उत्तम हो, क्योंकि आपको चरित्र की आवश्यकता होगी जो इसके साथ-साथ चलेगा। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास कोई वरदान है, पास्टर आपको वरदान का प्रयोग करने के लिए अवसर देगा और साथ-साथ आपके चरित्र को भी देखेगा। यदि चरित्र विश्वासयोग्य है तो पास्टर अधिक अवसर देगा ताकि आप अपना वरदान प्रयोग कर सकें। यदि अभी तक चरित्र विकसित नहीं हुआ है, हम थोड़े समय के लिए आपको वहीं रखेंगे, जब तक व्यक्तिगत आदत, बात, रुकावट अथवा आचरण की समस्या पर विजय प्राप्त नहीं हो जाती। पास्टर आपको पहले दिन ही पदोन्नत नहीं करेगा। आपको ऐसे चरित्र की आवश्यकता है जो आपको वाँछित स्थान पर पहुँचने के बाद वहाँ स्थिर रख सके, नहीं तो आप इस प्रक्रिया के दौरान अपने आपको तथा बहुत से लोगों को चोट पहुँचाएंगे।
- विश्वास को बनाएं। आपको अपने पास्टर का विश्वास जीतने का अधिकार है।
- लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित न करें। कुछ लोगों को जब परमेश्वर के भवन में सेवा की जिम्मेदारी दी जाती ह। तो वे बड़ी दूरी तक अपने आप को अन्य विश्वासियों के बीच में "प्रसिद्धि व्यक्ति" बनाने के लिए चलते जाते हैं। यह उनकी प्रसिद्धि पाने की इच्छा के फलस्वरुप होता है और अन्ततः वे लोगों को अपनी आरे आकर्षित करते है, न कि प्रभु की ओर। अतः जब आप सेवा करें तो, निश्चय करे कि लोग आपकी ओर आकर्षित न हों–परन्तु प्रभु की ओर आकर्षित हों।
- सबसे पहले अपनी सेवा को प्रदर्शित करें और तब लोग आपकी बुलाहट को पहचान लेंगे। अपनी बुलाहट का ढिंढोरा न पीटते फिरें ("मैं एक प्रेरित हूँ"), बिना इस सेवा को प्रदर्शित किए। थोड़ा सोचिए कि यह

कितना मजाकपूर्ण लगेगा कि आपका पास्टर यह कहता फिरें कि वह पास्टर है और उसके पास कलीसिया नहीं है। आप केवल उतना करें जिसके लिए आपको बुलाया गया है, तो आपकी बुलाहट और सेवा प्रकट हो जाएगी। लोगों को फल देखने दीजिए तब वे स्वयं पहचान लेंगे कि आप किस प्रकार के पेड़ है!

- अपने आप को सामने न लाएं। निमन्त्रण की प्रतीक्षा करें। यीशु ने कहा जब हम बड़े भोज में जाएं तब हमें सबसे पीछे की कुर्सी पर बैठना चाहिए और तब प्रधन को आकर हमें आगे बैठने का निमन्त्रण देने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह अधिक आदर के योग्य बात है। विचार कीजिए कि आपकी आवाज बहुत अच्छी है और आप कुछ वाद्य संगीत बहुत अच्छा बजाने की योग्यता रखते हैं, तब आराधना के अगुवे को यह जाकर न बताएं कि आप कितने अच्छे संगीतज्ञ हैं और आपको बजाने का मौका मिलना चाहिए। इसके बजाए, केवल अपनी योग्यता बताएं और प्रतीक्षा करें कि आपको बजाने अथवा आराधना में अगुवाई करने के लिए बुलाया जाए। इस दौरान आपको आवाज की जाँच कराकर लगातार अभ्यास के लिए आना पड़ सकता है उससे पहले कि आप बजाएं।

- अपने पास्टर और अगुवों के प्रति जबावदेह बनें रहें। निर्देशों का पालन करते हुए सब बातों में साथ बने रहें। अपने उत्साह को सम्पूर्ण कलीसिया के दर्शन को पूरा करने में रूकावट न बनाएं।

- अपने प्रतिफल के लिए परमेश्वर की ओर देखें। बहुत से लोग अपने प्रतिफल को पाने के लिए पास्टर की ओर देखते हैं कि वह पुलपिट से उन्हें पहचाने अथवा उनकी तारीफ करे। यद्यपि यह सब कुछ सम्भव है, परन्तु ऐसा न होने पर निराश न हों और न ही कड़वापन आने दें। आप परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं और आपका प्रतिफल उसी की ओर से आएगा।

समपर्ण को प्रदर्शित करें

2 तीमुथियुस 2:2

और जो बातें तूने बहुत से गवाहों के सामने मुझ से सुनी हैं, उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे; जो दूसरों को भी सिखाने के योग्य हों।

- योग्यता से अधिक विश्वासयोग्यता महत्वपूर्ण है। पास्टर विश्वासयोग्य लोगों को ढूँढ़ता है। विश्वासयोग्य व्यक्ति पर आशीषें होती रहती हैं, परन्तु जो धनी बनने में उतावली करता है वह दण्ड पाएगा (नीतिवचन 28:20)।

- जब आप एक जिम्मेदारी लेते हैं, आप निश्चय करें कि इसके प्रति विश्वासयोग्य बने रहें। उदाहरण के लिए, यदि आपने प्रत्येक रविवार 30 मिनट पहले आकर चर्च परिसर की सफाई के लिए समपर्ण किया है, तब कृपया निश्चय करें कि आप इसे प्रत्येक रविवार को करें। आप समर्पित और भरोसेमंद व्यक्ति बनें। यद्यपि इस काम के लिए आपको भुगतान नहीं किया जाता है। परन्तु आप स्वेच्छा से यह कर रहे हैं, तो स्वेच्छिक सहायता करने में समर्पित बने रहें।

- पास्टर समझता है कि कभी-कभी अचानक ऐसी परिस्थितियों आती हैं जब ऐसा करना आपके लिए असम्भव होगा। यदि आप उस काम को करने में असमर्थ है तो निश्चय करें कि आप जल्दी से जल्दी यह बात पास्टर को बता दें।

- आप जो कुछ करते हैं उसका आनंद उठाएं। वह व्यक्ति जो कुड़कुड़ाकर कोई काम करता है वह अच्छा नहीं होता है। यदि किसी काम में आपको आनन्द नहीं आ रहा है तो अच्छा यह होगा कि आप उसे न करें।

- इसे प्रभु के लिए करें न कि पास्टर के लिए। याद रखें आपको केवल पास्टर को प्रसन्न करने के लिए कोई काम नहीं करना है, इसे प्रभु के लिए करें।

उत्तमता का पीछा करें

- जो कुछ आप करें, उसे ठीक ढंग से करें। परमेश्वर को अपना सबसे उत्तम भाग दें। प्रायः हम सोचते हैं, "आखिरकार मैं यह काम स्वेच्छा से कर रहा हूँ, मैं इसे केवल सेवा हेतु कर रहा हूँ।" आपका आचरण ऐसा नहीं होना चाहिए जब आप प्रभु के लिए कुछ कर रहे है, इसे अच्छे ढंग से और अपनी सबसे अच्छी परमेश्वर प्रदत्त योग्यता के साथ करें। परमेश्वर आपके पास से सबसे अच्छा भाग लेने के योग्य है!

राज्य के बनाने वाले बनें

- जब आप सेवा करते हैं तो अपने आप को स्मरण कराएं कि आप किसी विशेष स्थानीय कलीसिया की सेवा नहीं कर रहे है बल्कि परमेश्वर के राज्य को बना रहे हैं। याद रखें कि आप यह राजाओं के राजा हेतु कर रहे हैं, यद्यपि आप स्थानीय कलीसिया के भाग हैं। आप यह परमेश्वर के राज्य को बनाने के लिए कर रहे हैं। स्थानीय कलीसिया के नाम के परे देखें जिसकी आप सेवा कर रहे हैं, क्योंकि यह केवल एक नाम ही है।

- अपनी स्वार्थपर्ता और स्वयं केन्द्रीयकरण को अलग रखें। अपनी स्थानीय कलीसिया को प्रोन्नत करने के लिए कुछ भी न करें। याद रखें कि आप यहाँ पर विशेष रुप से परमेश्वर के राज्य को प्रोन्नत करने के लिए रखे गए हैं। हर समय मसीह की महिमा करें।

- अन्य सेवकों, सेवाओं और कलीसियाओं के बीच एकता को बढ़ावा दें। अन्य कलीसियाओं के विश्वासियों के साथ संगति करने में न डरें। राज्य के बनाने वाले बनें। परमेश्वर के राज्य के बारे में सोचें। अपने आप से पूछें कि परमेश्वर के राज्य को बनाने के लिए आप क्या कर सकते हैं और किस प्रकार कलीसियाओं और सेवाओं के साथ मिलकर काम कर सकते हैं ताकि मसीह हमारे बीच में महिमा पा सके।

3
आपका पास्टर एक मनुष्य है

कभी-कभी लोग भूल जाते हैं कि उनका पास्टर भी मानव है–इच्छा रखने वाला एक मनुष्य है (वह भी रिची रेस्टोरैण्ट की बिरयानी पसन्द करता है।) इन बातों को मस्तिष्क में रखते हुए, यहाँ कुछ व्यवहारिक निर्देश दिए गए हैं:

- एक मनुष्य के विषय में बढ़चढ़ कर न सोचें। कुछ लोग अपने पास्टर को "सुपरस्टार" समझते हैं और समझते है कि उनका पास्टर एक "सुपरमैन" है। यह एक स्पष्ट सत्य है कि आपका पास्टर एक "सुपरस्टार" नहीं है और निश्चय ही वह एक "सुपरमैन" नहीं है, अतः उसका "अभिषेक" सुपरमैन से न करें। एक मनुष्य के विषय में बहुत बढ़चढ़ कर सोचना अधर्म और अनुपयुक्त है। परमेश्वर द्वारा नियुक्त अगुवे का सम्मान करें परन्तु कभी भी अनावश्यक महत्व किसी मनुष्य का न दें।

1 कुरिन्थियों 3:21
इसलिये मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करें, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है।

1 कुरिन्थियों 4:6
हे भाइयो, मैंने इन बातों में तुम्हारे लिये अपनी और अपुल्लोस की चर्चा दृष्टान्त की रीति पर की है, इसलिये कि तुम हमारे द्वारा यह सीखो कि लिखे हुए से आगे न बढ़ना, और एक के पक्ष में और दूसरे के विरोध में गर्व न करना।

- अपने पास्टर पर निर्भर न रहें। आपको आत्मिक रूप से बढ़ने की आवश्यकता है और प्रभु के साथ अपने आप चलना सीखना होगा। यद्यपि आपका पास्टर आपकी सहायता के लिए है तौभी प्रत्येक विश्वासी को प्रभु के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध स्थापित करना होगा। अपने आप परमेश्वर का वचन पढ़ना, अध्ययन करना और उससे सीखना होगा। आपको अपने आप प्रार्थना करना और परमेश्वर मे विश्वास सीखना

होगा। आत्मिक नर्सरी से अपने आप को स्नातक बना कर एक ऐसे माता-पिता बनें जो अन्य लोगों को विश्वास में बढ़ा सकें।

- आपका अभिषेक परमेश्वर की ओर से आता है। यद्यपि यह सच है कि आत्मिक आदान-प्रदान अभिषिक्त अगुवों के द्वारा होता है, परन्तु स्मरण रखें कि अन्ततः आपका अभिषेक परमेश्वर की ओर से आता है। यह परमेश्वर ही है जो अभिषेक करता है। आपके पास आपके पास्टर के अभिषेक की छायाप्रति; फोटोकॉपी शुद्ध नहीं है। आपको अपनी अभिषेक और वरदान स्वयं परमेश्वर से प्राप्त करके उन्हें पास्टर और अगुवे जो आपके स्थानीय कलीसिया में है, वह आपके द्वारा प्रभु से प्राप्त अभिषेक को बढ़ा सकता है। परन्तु अन्ततः आपका अभिषेक परमेश्वर के साथ आपकी चाल पर निर्भर है।

यूहन्ना 3:27
यूहन्ना ने उत्तर दिया, "जब तक मनुष्य को स्वर्ग से न दिया जाए, तब तक वह कुछ नहीं पा सकता।"

2 कुरिन्थियों 1:21
और जो हमें तुम्हारे साथ मसीह में दृढ़ करता है, और जिसने हमारा अभिषेक किया वही परमेश्वर है।

- शीघ्रता से न्याय न करें। अनावश्यक अथवा अवास्तविक अपेक्षाओं के कारण लोग बहुत आलोचक बन कर आसानी से अपने पास्टर को पीठ दिखाते हैं, यदि वे किसी प्रकार उनकी अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाते। ऑल पीपुल्स चर्च में मैं ऐसी कलीसिया पाकर आशीषित हूँ जो बहुत ही सहायक और बहुत समझदार है। फिर भी स्मरण दिलाने हेतु मैं यह कहना चाहता हूँ कि अपने पास्टर का न्याय करने में जल्दबाजी न करें। आपका पास्टर आपकी तरह का बढ़ने वाला काम है, एक ऐसे भवन की तरह जो अभी भी निर्माणाधीन है। अतः सभी गड़बड़ी वाली बातों को क्षमा करते हुए कृपया धैर्यवान बनें।

1 कुरिन्थियों 4:3-5

[3] परन्तु मेरी दृष्टि में यह बहुत छोटी बात है कि तुम या मनुष्यों का कोई न्यायी मुझे परखे, वरन् मैं स्वयं अपने आप को नहीं परखता।

[4] क्योंकि मेरा मन मुझे किसी बात में दोषी नहीं ठहराता, परन्तु इससे मैं निर्दोष नहीं ठहरता, क्योंकि मेरा परखनेवाला प्रभु है।

[5] इसलिये जब तक प्रभु न आए, समय से पहले किसी बात का न्याय न करोः वही अन्ध्कार की छिपी बातें ज्योति में दिखाएगा, और मनों के अभिप्रायों को प्रगट करेगा, तब परमश्वेर की ओर से हर एक की प्रशंसा होगी।

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रगट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकारणीय हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"*** **(रोमियों 6:23)।** यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति

का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह मुफ्त क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी" **(प्रेरितों के काम 10:43)।**

"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा" **(रोमियों 10:9)।**

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धि पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए। आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च (एपीसी) का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

आल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केन्द्रित, आत्मा से भरपूर परिवारिक कलीसिया,** एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधार, संसार में सुसमाचार करने वाली कलीसिया है

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में हम ईश्वरीय अगुवों और आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझोते के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारे वेबसाईट को भेंट दें: **apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें: **contact@apcwo.org**

ऑल पीपल्स चर्च के प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses–Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Speaking in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। पी. डी. एफ., आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में निःशुल्क ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, निःशुल्क ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस परामर्श

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस परामर्श व्यावसायिक तौर प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु समूहों के लिए हैं और जीवन की चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती हैं।

किशोरों
व्यक्तिगत समायोजन
संबंधपरक चुनौतियां
शिक्षा में कम सफलता पाने वाले
कार्य संबंधित मुद्दे
परिवार /दम्पत्तिः विवाह पूर्व, वैवाहिक
माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी
व्यवहार सम्बंधी विकार
व्यक्तित्व विकार
मनोवैज्ञानिक / भावनात्मक समस्याएं
तनाव / आघात
शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल
आत्मिक समस्याएं
ज़िंदगी की सीख

क्रिसलिस परामर्श सेवाओं के लिए शुल्क सस्ती और सुलभ है।

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिए:

Website: chrysalislife.org
Phone: +91-80-25452617 or toll-free (within India) 1-800-300-00998
Email: counselor@chrysalislife.org

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (ब) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (क) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, मसीही अगुवों के लिए सभाओं का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में निःशुल्क वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस का कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

Account Name: All Peoples Church
Account Number: 50200068829058
IFSC Code: HDFC0004367
Bank: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru, 560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें:* **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for
"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

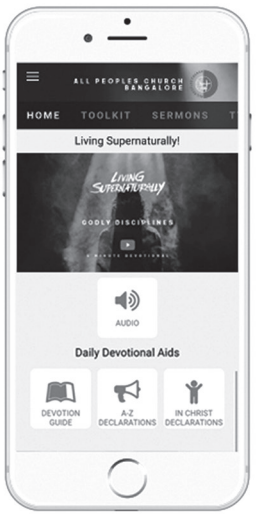

A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र (एपीसी-बीसी) भारत के बैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई के लिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

एपीसी-बीसी में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं:

- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (सी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय डिप्लोमा (डी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय स्नातक (बी.टी.एच.)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक** (UTC+5:30) कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैंपस:** कैंपस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लें
- **ऑनलाइन:** ऑनलाइन लाइव व्याख्यान में भाग लें
- **ई-लर्निंग:** ऑनलाइन पोर्टल **apcbiblecollege.org/elearn.**

के माध्यम से स्वयं की गति से सीखना ऑनलाइन आवेदन करने के लिए, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया इस वेबसाइट को भेंट दें: **apcbiblecollege.org**

हममें से जो माता-पिता है वे जानते है कि जब हम बच्चों को पालते है तक कभी-कभी बहुत क्रोधित हो जाते है, यद्यपि हम प्रायः उन पर प्रेम की बौछार करते है। यह इसलिए नहीं कि हम अपने बच्चों से घृणा करते है बल्कि इसलिए कि हम उन्हें एक मजबूत व्यक्ति की तरह खड़ा करना चाहते है। इसी प्रकार जब हम कलीसिया में मजबूत लोग खड़े करना चाहते है, तब हमें उन्हें यह सिखाने की आवश्यकता होती है कि उन्हें परमेश्वर के भवन में कैसे व्यवहार करना चाहिए।

दुर्भाग्यवश, इस विषय में अधिक शिक्षा नहीं दी जाती है और प्रत्येक जन अपनी मन मर्ज़ी से चलता रहता है। कलीसिया में लोग वही करते है जिसे वे ठीक समझते है और कलीसिया को विभिन्न दिशाओं में खींच कर ले जाते और कलीसिया कहीं नहीं पहुँच पाती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वही करता है जो उसे ठीक जान पड़ता है तो हमारा घर झंझट और गड़बड़ी से भरा होगा। परन्तु परमेश्वर गड़बड़ी का परमेश्वर नहीं है।

एक मजबूत कलीसिया को बनाने, की इच्छा से इसमें मजबूत लोगों को खड़ा करने की इच्छा से मैं यह संदेश बाँट रहा हूँ- "अपने पास्टर की सहायता कैसे करे।" मैं विश्वास करता हूँ कि आप ऐसा करने में मेरे हृदय की प्रेरणा को समझेंगे।

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org